राम न भज्या सु रामजी रिझेला दुनिया रिझेली मीठी बता सूं

राम न भज्या सु रामजी रिझेला,
आ दुनिया रिझेली मीठी बता सूं,
भरम गांठ को जवेलो,
थान घर घर घर डोळ्या सूं।bd।

सुनो रे सज्जनो ई कलीयुग माही,
बाढ़ ही खेत न खावे हँ,
पराया हाथा सु कोई चीज मंगवावे,
तो व भी पूरी नही आवे हँ,
ओ मन को वश्वास जावे,
बिन पाछी तोल्या सूं।bd।

अरे भाई परहित कोई धर्म नही हँ,
पर पीड़ा सम पाप नही,
राम नाम के जाप बराबर,
दूजा कोई जाप नही,
ओ नर तेरी भक्ति होवेगी,
राम नाम मुख म बोल्या सूं।bd।

अरे ताऊ चोरी, चुगली,और जामनी,
नारी पराई न त्यागो जी,
साधू सन्त सतगुरु की सेवा करज्यो,
ओ श्री राम का भजना म लागो जी,
ओ नर तू बेकुठा म जावेलो,
साची साची बोल्यसू।bd।

अरे चाचा ई मन कपटी को नही भरोसो,
यो तो बदल जावे एक पल माही,
ऐ मात,पिता,सतगुरु की सेवा,
भाग बिन मिल पावे नही,
ओ आनन्द हो जावेला थारा जीवन में,
ओ थारा मन की घुंडी खोलयसू।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राम न भज्या सु रामजी रिझेला,
आ दुनिया रिझेली मीठी बता सूं,
भरम गांठ को जवेलो,
थान घर घर घर डोळ्या सूं।bd।

प्रेषक – वैध कैलाश सोनी सिंहासन
सीकर राजस्थान
9928801614

– वीडियो उपलब्ध नहीं है।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com